हरियाणा में अगली सरकार कांग्रेस की बनेगी : त्रिलोचन

करनाल : कांग्रेस के जिला संयोजक त्रिलोचन सिंह ने दावा किया कि जनमिलन कार्यक्रम ऐतिहासिक रहा। इसकी सफलता से यह तय हो गया कि हरियाणा में अगली सरकार कांग्रेस की बनेगी। हजारों कार्यकर्ताओं और लोगों ने कार्यक्रम में शामिल होकर पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष उदयभान व राज्यसभा सदस्य दीपेंद्र हुड्डा के विचारों को सुना।

कार्यकर्ताओं का हुजूम नारे लगाते हुए कार्यक्रम स्थल पर पहुंचा। अलग-अलग क्षेत्रों से पहुंचे काफिलों का स्वागत करने के लिए त्रिलोचन सिंह स्वयं प्रवेश द्वार पर मुस्तैद नजर आए। कार्यक्रम में लोगों ने अपनी शिकायते और समस्याएं कांग्रेस नेताओं के समक्ष रखीं।

इस दौरान चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने केंद्र और हरियाणा की भाजपा सरकारों की जन विरोधी नीतियों पर जमकर प्रहार किया। कहा कि भाजपा सरकार से किसान, कर्मचारी, बेरोजगार युवा, व्यापारी और महिलाओं समेत सभी वर्ग परेशान हैं। लोग हरियाणा में सत्ता परिवर्तन का मन बना चुके हैं। त्रिलोचन सिंह ने कहा कि जनमिलन कार्यक्रम से मुख्यमंत्री मनोहरलाल की चूलें हिल गई है।

अलग-अलग काफिलों की अगुवाई करते हुए रानी कांबोज, उषा तुली, गुरविंद्र कौर, अंशुल लाठर, अमनदीप सिंह एडवोकेट, सूर्य लाठर, सुरेंद्र कटाबाग, परमजीत भारद्वाज, उपेंद्र रिंकू, पालाराम वाल्मीकि, प्रवक्ता ललित अरोड़ा, रमेश सैनी, सुरजीत सैनी, रोहित जोशी, दया प्रकाश, सरपंच सतपाल जाणी, सरपंच जरनैल सिंह बहलोलपुर, फकीरचंद फकीरिया, नीटू नरवाल, सागर चड्ढा, राजा वाल्मीकि, पृथ्वी भाट, जोध सिंह, सूरत सिंह, होशियार सिंह, सुखबीर सिंह, गगन मेहता, जतिंद्र शर्मा, विनोद काला, प्रेम मलवानिया, सोमदत्त शर्मा, दलबीर सिंह, पुनीत अरोड़ा, टिंकू वर्मा, एडवोकेट अवनीश भार्गव व विनोद शर्मा हजारों लोगों के साथ पहुंचे। त्रिलोचन सिंह ने सभी का तहे दिल से आभार प्रकट किया।

बाढ़ पीड़ित किसानों को नहीं मिला मुआवजा, प्रदर्शन

करनाल (जेके शर्मा) भारतीय किसान यूनियन चढूनी ग्रुप के किसानों ने सोमवार को बाढ़ प्रभावित किसानों की समस्याओं को लेकर सड़कों पर उतकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकरी जिला सचिवालय तक पहुंचे। नारेबाजी करने के बाद किसानों ने प्रशासनिक अधिकारी को सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा।

बीकेयू के हल्का प्रधान मनजीत सिंह ने कहा कि धान की कटाई शुरू हो गई है इसलिए सरकार 15 सितंबर से किसानों से धान की सरकारी खरीद शुरू कराए। किसानों को अपनी धान की उपज बेचने में काफी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। धान की फसल का समय 3 महीने का होता है। जब धान की रोपाई 15 जून से शुरू होती है तो उसकी कटाई 15 सितंबर को शुरू हो जाती है। उन्होंने सरकार से बाढ़ से प्रभावित फसलों का मुआवजा देने और मुआवजे के लिए तय की गई पांच एकड़ की सीमा तुरंत हटाने की मांग की ताकि बाढ़ से प्रभावित सीमांत और लघु किसानों को इसका लाभ मिल सके। रकबे के आधार पर नहीं बल्कि खराब हुई फसल के आधार पर तीस हजार रुपये प्रति एकड़ मुआवजा तय किए जाने को कहा।

किसान नेता राहुल कलसोरा ने कहा कि पिछले दिनों बाढ़ की चपेट में आने से करनाल में हजारों एकड़ फसल बरबाद हुई। यमुना से आए रेत के कारण किसानों के खेतों में दो से तीन फीट रेत की परत जम गई। ऐसे मे सरकार को चाहिए कि जिस भी खेत में यमुना नदी की बाढ़ के साथ रेत आया हुआ है उसके किसान अपने खेत की रेत बेचने का अधिकार दे ताकि किसान के नुकसान की भरपाई हो सके।

प्रदर्शनकारी किसान नेताओं का कहना था कि बाढ़ की इस आपदा में गन्ने, पापुलर और अन्य काफी फसलें बर्बाद हुई हैं बावजूद इसके सरकार ने खराब हुई गन्ने और पापुलर की फसल का मुआवजा देने की घोषणा अभी तक नहीं की है। गन्ने की फसल साल में एक बार होती है जबकि पापुलर 3 से 4 साल में एक बार तैयार होता है, इसलिए इन फसलों का अलग-अलग प्रति एकड़ का मुआवजा घोषित किया जाना बहुत जरूरी है। इस वर्ष गन्ने का रेट 450 रुपए प्रति क्विंटल किया जाए।

किसानों को सरकार बर्बाद करने पर तुली तो जनता करेगी सफाया : हुड्डा

करनाल (जेके शर्मा) पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि बीजेपी-जेजेपी सरकार जानबूझकर धान की खरीद शुरू नहीं कर रही है। क्योंकि सरकार किसानों को एमएसपी से वंचित रखना चाहती है। मंडी में धान की आवक शुरू हो गई है और किसानों को मजबूरी में कम रेट पर अपनी उपज बेचनी पड़ रही है। सरकार मूकदर्शक बनकर किसानों को हो रहे इस घाटे का तमाशा देख रही है। हरियाणा के एक हिस्से में धान तो दूसरे हिस्से में बाजार पिट रहा है।

पूर्व सीएम ने खट्टर सरकार की नीतियों को किसान विरोधी करार देते हुए कहा कि सरकार ने बाढ़ पीड़ित किसानों को उनके हाल पर छोड़ दिया है। इतने दिनों के बाद भी अब तक उन्हें मुआवजा नहीं दिया गया। मुआवजा देने की बजाय सरकार ने किसानों को पोर्टल के जंजाल में उलझाकर रखा है। कहीं क्षतिपूर्ति पोर्टल, कहीं मेरी फसल मेरा ब्यौरा, कहीं प्रॉपर्टी आईडी तो कहीं परिवार पहचान पत्र के नाम पर जनता को परेशान किया जा रहा है।

कांग्रेस सरकार बनने पर जनता को इन तमाम गैर जरूरी पोर्टल, प्रॉपर्टी आईडी और फैमिली आईडी के जंजाल से छुटकारा दिलाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि प्रदेश भर में जन मिलन समारोह में जनता की रिकॉर्ड तोड़ भागीदारी देखने को मिलती है। कांग्रेस के प्रति जनता के जोश और उत्साह को देखकर स्पष्ट है कि आने वाले समय में कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है। किसान, मजदूर, कर्मचारी, व्यापारी, ग्रामीण और शहरी समेत हर वर्ग बीजेपी-जेजेपी सरकार से पूरी तरह त्रस्त हो चुका है। क्योंकि गठबंधन सरकार ने हरियाणा को कर्ज, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और नशे के दलदल में धकेला है। जनता अब प्रदेश को बर्बादी के इस अंधकार से निकालकर विकास की पटरी पर लाना चाहती है।

कांग्रेस की गुटबाजी के सवाल पर उन्होंने कहा कि सभी को अपनी बात रखने का अधिकार है। कांग्रेस के संगठन के बारे में सवाल पर उनका कहना था कि संगठन तो बनना चाहिए और ये बात कब से हम भी कह रहे है।

प्रदेश की गठबंधन सरकार को मंहगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार के मुद्दों पर घेरा तो धान खरीद के मामले में सरकार की लापरवाही पर जमकर निशाना साधा। कहा कि प्रदेश सरकार से अब हर वर्ग दुखी है। प्रदेश की जनता ने अब भाजपा को बाहर का रास्ता दिखाने का मन बन लिया है। इस सरकार को अगली बार सत्ता में नहीं आने देंगे, हमारा जन मिलन कार्यक्रम जारी लगातार रहेगा, हम लोगों से मिल रहे हैं और उनके समक्ष अपनी बात रख रहे हैं।

सड़क धंसने से बना गड्ढा हो सकता है जानलेवा

इन्द्री (जेके शर्मा) इंद्री को क्षेत्र के करीब पचास गांवों से जोड़ने वाले मुख्य मार्ग पर स्थानीय राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल के सामने अचानक सड़क धंसने से आठ फुट गहरा गड्ढा बन गया। यह गड्ढा वाहन चालकों और राहगीरों के लिए जानलेवा साबित हो सकता है।

प्रत्यक्षदर्शी सुखविंदर सिंह, अशोक कुमार, राजेश कुमार व खुशमीत सिंह ने बताया कि रेत से भरी ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉली व ट्रक शहर के बीच से होकर गुजरते हैं, जो लोगों की जान के दुश्मन बने हुए हैं। लोग कई बार प्रशासन से गुहार लगा चुके है कि इन भारी वाहनों को बाईपास से होकर गुजरा जाए लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। बाजार में बढ़ती भीड़ के मद्देनज़र ही प्रशासन ने बाईपास का निर्माण करवाया था लेकिन अब भी अधिकतर भारी वाहन शहर के अंदर से ही गुजरते हैं।

रात्रि में तो ओवरलोड वाहनों का तांता ही नहीं टूटता। बुधवार सुबह 7 बजे रेत से भरी हुई ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्राली जैसे ही यहां से गुजरी तो गति अधिक होने के कारण ट्रैक्टर-ट्राली तो निकल गई लेकिन एकाएक सड़क में लगभग 5 फुट गहरा और 10 फुट चौड़ा गड्ढा बन गया। गनीमत यह रही कि कोई हादसा नहीं हुआ। यदि ट्राली पलट जाती तो दुकानदारों का काफी नुकसान हो जाता और कोई बड़ा हादसा भी हो सकता था।

दुकानदार सुखविंदर सिंह और अशोक कुमार का कहना था कि प्रशासन रेत माफिया से मिलीभगत कर भारी वाहनों पर कार्रवाई नहीं कर रहा है। रेत के अवैध कारोबार के धडल्ले से चलने से हल्का इंद्री की सडके टूट रही हैं और कोई सुधि लेने वाला नहीं है।

इस विषय में इंद्री थाना प्रभारी कृष्ण कुमार ने कहा कि ओवरलोड को रोकने का काम माइनिंग विभाग व इसके लिए स्थापित किए गए स्पेशल थानों का है। हम इन्हें नहीं रोक सकते। हमसे तो अपनी ही नहीं संभल रही। जेई रणवीर सिंह ने कहा कि सड़क में अचानक इतना गहरा गड्ढा पहली बार देखा है। यहां पर कोई सीवरेज पाइपलाइन भी नहीं है फिर यह कैसे हो गया। इसको भरने का काम शुरू कर दिया गया है, जल्द ही वाहन इस सड़क पर फिर से अबाध दौड़ने लगेंगे।